Source:- राजस्थान पत्रिका
Date:- 01 अक्टूबर 2018
Page No:- 01

रासायनिक जंग की तैयारी : अमरीका से नफरत करता है पीएचडी स्कॉलर

इंदौर से जब्त हुआ खतरनाक रसायन 50 लाख लोगों की ले सकता है जान

बेहद जहरीले रसायन की दो मिली ग्राम मात्रा ही ले सकती है इंसान की जान

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

इंदौर . शहर में चल रही एक अवैध प्रयोगशाला से बड़ी तबाही मचाने लायक ड्रग जब्त किया गया है। दुनिया में रासायनिक युद्ध की आशंकाओं के मद्देनजर यह बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है। डायरेक्ट्रेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलीजेंस (डीआरआइ) द्वारा जब्त ड्रग की जांच में कई चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। रक्षा शोध से जुड़ी संस्था ने जब्त दवा के फेंटानिल होने की पुष्टि की है।

जाच एजेंसी के सूत्रों के अनुसार पकड़ा गया लैब संचालक डॉक्टर मोहम्मद सादिक पीएचडी स्कॉलर है। वह अमरीका से नफरत करता है। मामले में मैक्सिको के नागरिक जॉर्ज सालिक का शामिल होना अंतरराष्ट्रीय साजिश का संकेत दे रहा है।

सिंथेटिक रसायन फेंटानिल हाइड्रोक्लोराइड 'पोटेंट' ड्रग है जो मॉर्फिन से भी 100 गुना ज्यादा खतरनाक है। इसकी 2 मिलीग्राम मात्रा ही एक आदमी की जान लेने को काफी है। यहां जब्त दवा 40 - 50 लाख लोगों की जान ले सकती है। ऐसे में इसे रासायनिक युद्ध के खतरों से जोड़कर देखा जा रहा है।

डीआरआइ ने बुधवार को डिफेंस रिसर्च एंड डवलपमेंट स्टेब्लिशमेंट के वैज्ञानिकों की मदद से इस अवैध फार्मा कंपनी का भंडाफोड़ किया था। पोलोग्राउंड क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए तीन लोगों के साथ करीब 10.9 किलो फेंटानिल हाइड्रोक्लोराइड पकड़ा गया। पढ़े **इंदौर** @ पेज 02

10.9 किलो जब्त फेंटानिल हाइड्रोक्लोराइड की कीमत है करीब 110 करोड़ रुपए

खतरनाक: इंदौर की इसी प्रयोगशाला में मिला जहरीला रसायन

2016 में ओवरडोज से 20 हजार मौतें

आमतौर पर फेंटानिल की तस्करी अमरीका के ड्रग सिंडिकेट करते हैं। वहां इसे दूसरी दवाओं व रसायन के साथ मिलाकर भी बेचते हैं। अमरीका में 2016 में 20 हजार लोगों की मौत फेंटानिल के ओवरडोज के कारण हुई थी। पहले यह ड्रग चीन में बनाया जाता था। भारत नया ठिकाना बनने की आशंका है।

हर पहलू से की जा रही है विशेषज्ञों द्वारा जांच

सूत्रों के अनुसार जांच का फोकस इतनी बड़ी मात्रा में दवाई बनाने पर है। सामान्य तौर पर बहुत थोड़ी मात्रा में बहुत अधिक मरीजों की जरूरत को पूरा करने वाली इस एनेस्थिटिक व एंटी एनॉल्जेसिक ड्रग का निर्माण इस तरह क्यों किया जा रहा था? विदेशी की क्या भूमिका रही है? अंतरराष्ट्रीय तस्करी के पहलू से भी जांच हो रही है।

पुलिस मान रही सफलता पर वैज्ञानिक हैं चिंतित

डीआरआइ के डीजी, डीपी दास ने कहा, पहली बार फेंटानिल को बरामद कर डीआरआइ ने इस जानलेवा ड्रग को भारत में बनाने के प्रयास को विफल करने में कामयाबी हासिल की है। जबकि इस बरामदगी ने वैज्ञानिकों को चिंतित कर दिया है क्योंकि ऐसे खतरनाक ड्रग निर्माण के लिए खास विशेषज्ञता की जरूरत होती है।

इंदौर ...

अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत करीब 110 करोड़ रुपए है। एजेंसी ने एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज करके तीन आरोपी डॉक्टर मोहम्मद सादिक, स्थानीय कारोबारी मनु गुप्ता व एक मैक्सिको नागरिक जॉर्ज सालिक को गिरफ्तार किया है। तीनों को कोर्ट में पेश कर 5 अक्टूबर तक रिमांड पर लिया है। इनसे पूछताछ जारी है। बताया जा रहा है, मोहम्मद सादिक केमिस्ट है, फार्मुलेशन का जानकार है। वहीं मैक्सिकन नागरिक के संबंध अंतरराष्ट्रीय स्तर के ड्रग सिंडिकेट से भी हो सकते हैं।

सस्ते में बनती है

जानकारों के अनुसार यह पूरी तरह से केमिकली सिंथेटिक ड्रग है। अफीम आधारित हेरोइन, कोकीन आदि से बहुत ही सस्ती होती है। इसका निर्माण कुशल केमिस्ट द्वारा साधारण लैब में किया जा सकता है। यह खतरनाक मानी जाती है, क्योंकि इसकी थोड़ी सी मात्रा जानलेवा हो जाती है। यह ड्रग आसानी से फैल जाता है। त्वचा के जरिए शरीर में आसानी से सोखा जा सकता है। गलती से सांस के जरिए भी शरीर में चला जाता है।

Scanned by CamScanner